

अगर मैंने किसी का दिल दुखाया हो तो माफी चाहूँगा : सीजेआई चंद्रचूड़

सीजेआई चंद्रचूड़ का आखिरी बकिंग डे, 45 केस सुने, सियदी बोले, आपके यंग लुक का राज क्या, नए सीजेआई ने कहा, इसकी विदेशों तक चर्चा जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई टिल्ली



सीजेआई चंद्रचूड़ 10 नवंबर 2024 को प्रियार हो जाएगे, लेकिन उससे पहले 8 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में उनका आखिरी बकिंग डे था। सीजेआई चंद्रचूड़ की विराझ के लिए सेमोनियल बैठक बैठी। जिसकी लाइव टीवी मिशन हुई। इसमें उनके साथ जरिट्स मोर्ज मिशन, जरिट्स जीवी पारदीवाला, विश्व वर्कीलों के अलावा 10 नवंबर से सीजेआई का पद सभालने वाले जरिट्स संजीव खत्री भी शामिल हुए। जरिट्स खत्री देश के 51 वें सीजेआई होंगे। जरिट्स चंद्रचूड़ 13 मई 2016 को बैती सिंटिंज जू, इलात हाईकोर्ट के फिल जरिट्स से सुप्रीम कोर्ट में प्रमोट एवं गति थी।

सीजेआई चंद्रचूड़ 1274 बैठों का हिस्सा है। उन्होंने कुल 612 फैसले लिखे। सुप्रीम कोर्ट के मोजूदा जोड़ों में सीजेआई चंद्रचूड़ ने बैठक स्थापित की है। उनके बारे में लोगों की विवादों को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कुल 2 साल के कार्यकाल के बड़े फैसलों में आटिक 370, राम जम्मू-सिंध, दन रैक-दन पैशन, मदरसा केस, सरीरामाला मदिर विवाद, युवाओं कॉन्टॉकी की वैधता और सीए-एनआरसी जैसे फैसले शामिल हैं।

एकार वेकटरमणी, अटानी जनरल

'जब मैं छोटा था, सुप्रीम कोर्ट आकर देखी थी कार्रवाई'
न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने विदाई समारोह के मौके पर भास्कुल होने तुर कहा, रात को मैं सोच रहा था कि पोहर दो बजे कोटे खाली होगा और मैं स्कॉन पर खुद को देख रहा होऊंगा। आप सभी की मौजूदी से मैं अभिष्ट हूं। सीजेआई ने कहा, जब मैं छोटा था, तो सुप्रीम कोर्ट में आकर यहाँ की कार्रवाई और कोटे में लोगों दो तस्वीरों को देखता था। उन्होंने कहा, बैंबे हाईकोर्ट में भी न्यायमूर्ति वागता का बहुत प्रभाव था।

मेरा काम आसान और मुश्किल दोनों कर दिया है।
आसान इसलिए योकि कई रेवोल्यूशन हुए हैं, और मुश्किल इसलाल तयोंकि में उनकी बराबरी नहीं कर सकते। उनकी कमी हमेशा खलेगी। उनके यह लुक की वर्च सिफर हाँ नहीं बालूक की वर्च सिफर हाँ नहीं है। और स्ट्रीलिया में बहुत से लोग मेरे पास आ थे और पूछा कि उनकी उम्र क्या है।

-कपिल रिखल, सुप्रीम कोर्ट बार एसिस्टेंट

'हम सब यात्रियों की तरह, कुछ समय के लिए आते हैं' उन्होंने आगे कहा, हम सभी यहाँ यात्रियों की तरह हैं, जो कुछ समय के लिए आते हैं, अपना बार करते हैं और पर बार जाते हैं। कोटे के रूप में यह संस्थान हमेशा बलता रहेगा और इसमें विभिन्न विवारों वाले लोग आते रहेंगे। मुझे पूरा भरोसा है कि मेरे बार न्यायमूर्ति खत्री इस संस्थान को मजबूती और गतिमा के साथ आगे बढ़ाएंगे।

'जीवन का नया दृष्टिकोण देते हैं नए लोग'
सीजेआई ने यह भी बताया कि वह न्यायमूर्ति जे बी.पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनज मिशन के साथ बैठकर काम करने के अनुभव को बहुत याद करते हैं। उन्होंने कहा, यही कोटे है, जो मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। हम ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिन्हें हम नहीं जानते थे और ये अनुभव जीवन को एक नया दृष्टिकोण देते हैं।

आप सभी का दिल से धन्यवाद: न्यायमूर्ति चंद्रचूड़
उन्होंने आगे कहा, मैं आज बहुत कुछ सीखा हूं। कोई भी मामला फैले के मामले जैसा नहीं होता। अगर काट के तौर पर आपने हमेशा एक स्टैंडर्ड लिया। आप 5 सी के लिए जाएं-शांत, धैर्यवान, ठड़े दिमाग वाले, ना ही आलोचनात्मक और नहीं निंदा करने वाले।

-संजीव खत्री, जरिट्स

प्रधानमंत्री को मेरी बातें देश तोड़ने वाली लगती हैं: राहुल

देश में इस समय दो विचारधाराएं, हम संविधान के रक्षक तो वे खत्म करने वाले

आडाणी-अंबानी के बहाने मोदी सरकार पर हमला

उन्होंने बड़े लोगों की कर्ज माफी का जिक्र कर मोदी सरकार पर हमला लोला। कहा कि ये आडाणी-अंबानी की सरकार है। ये सिर्फ उनके कारबों के लिए काम करते हैं। हमारी यजना में सिर्फ गरीब लोगों की बातें होती हैं। देश में करीब 50प्रतिशत आडाणी-अंबानी, 15प्रतिशत अल्पसंख्यक वर्ग के लोग हैं। ये 3बारी कूल 90प्रतिशत हैं। लेकिन आपको देश की बीड़ी-बड़ी कंपनियों के मैनेजर्में और ऑफिसी, दलित और आदिवासी वर्ग का व्यक्ति नहीं मिलेगा। हिन्दुस्तान की सरकार को 90 अफसर रखते हैं, देश के पूरे बजट के नियंत्रित होती अफसर लेते हैं। आप इसमें से एक अफसर आडाणी-अंबानी का वाला है, तो सरकार के 100 रुपए के खर्च में वे आडाणी-अंबानी अफसर 10 पैसे का नियंत्रण लेता है।

नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान

बीजेपी-आरएसएस की विचारधारा ने एक राज्य (मणिपुर) को जला दिया। वहाँ आज तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नहीं गए। हमने भारत जोड़ा यात्रा निकाली और लोगों से कहा कि हम नफरत की बाजार में मोहब्बत की दुकान चलाएं। देश में एकांक-भाईचारा को कायम करेंगे।

एक गोट, सात गारटी

राहुल गांधी बोले- हम एससी-एससी का आरक्षण बढ़ाएंगे। सबको हक मिलेगा। आपको 15 लाख रुपए तक की बीमा मिलेगा। हर व्यक्ति को हर महीने सात किलो राशन। युवाओं के लिए हर महीने कूल 90रुपए। हिन्दुस्तान की सरकार 90 अफसर रखते हैं, देश के पूरे बजट के नियंत्रित होती अफसर लेते हैं। आप इसमें से एक अफसर आडाणी-अंबानी अफसर 10 पैसे का नियंत्रण लेता है।

संविधान बचाने की बात

आज देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई बत रही है। एक तरफ- इंडिया गवर्नेंट, दूसरी तरफ- बीजेपी और आरएसएस। जहाँ इंडिया गवर्नेंट के लोग संविधान की रक्षा कर रहे हैं, वही बीजेपी-आरएसएस संविधान को खत्म करना चाहते हैं। संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है। इसमें बिरसा मुंदा जी, अंबेडकर जी, फुले जी और महाराजा बीमी से लोगों की रक्षा करता है। उन्होंने कहा- हम आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं।

आज देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई बत रही है। एक तरफ- इंडिया गवर्नेंट, दूसरी तरफ- बीजेपी और आरएसएस। जहाँ इंडिया गवर्नेंट के लोग संविधान की रक्षा कर रहे हैं, वही बीजेपी-आरएसएस संविधान को खत्म करना चाहते हैं। इसमें बिरसा मुंदा जी, अंबेडकर जी, फुले जी और महाराजा बीमी से लोगों की रक्षा करता है। उन्होंने कहा- हम आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं।

आपको आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं। और बीजेपी वाले बनवारी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं। अंबेडकर जी, फुले जी और महाराजा बीमी जी की सीधी है। ये संविधान देश के आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं। इसमें बिरसा मुंदा जी, अंबेडकर जी की सीधी है। ये संविधान देश के आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं।

आपको आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं। और बीजेपी वाले बनवारी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं। अंबेडकर जी, फुले जी और महाराजा बीमी जी की सीधी है। ये संविधान देश के आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं। इसमें बिरसा मुंदा जी, अंबेडकर जी की सीधी है। ये संविधान देश के आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं।

आपको आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं। और बीजेपी वाले बनवारी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं। अंबेडकर जी, फुले जी और महाराजा बीमी जी की सीधी है। ये संविधान देश के आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं।

आपको आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं। और बीजेपी वाले बनवारी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं। अंबेडकर जी, फुले जी और महाराजा बीमी जी की सीधी है। ये संविधान देश के आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं।

आपको आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं। और बीजेपी वाले बनवारी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं। अंबेडकर जी, फुले जी और महाराजा बीमी जी की सीधी है। ये संविधान देश के आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं।

आपको आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं। और बीजेपी वाले बनवारी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं। अंबेडकर जी, फुले जी और महाराजा बीमी जी की सीधी है। ये संविधान देश के आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं।

आपको आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं। और बीजेपी वाले बनवारी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं। अंबेडकर जी, फुले जी और महाराजा बीमी जी की सीधी है। ये संविधान देश के आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज्ञान देते हैं।

आपको आडाणी-अंबानी को शुक्रवार का ज